

Padma Shri



SHRI JITENDER SINGH SHUNTY

Shri Jitender Singh Shunty, Founder of NGO 'Shaheed Bhagat Singh Sewa Dal', has been rendering exceptional Philanthropic activity for over two decades and is a prominent Social Activist in Delhi. He is very well known for working during the tough times of Corona Pandemic by providing much needed emergency services such as Free Hearse Van Services for ferrying Covid-19 Dead bodies, Free Ambulance Services for transporting the Covid-19 suspects and patients and Free Cremation Services for the Patients who succumbed to Covid-19.

2. Born on 1st August, 1962, Shri Shunty had to leave education early, after passing just Matric as his father passed away. But this did not deter him from his path to Philanthropy. He has transported and cremated over 966+ Covid-19 Positive Dead bodies, over 1244+ Covid Positive Patients and has cremated over 384+ Corona Dead bodies that were unclaimed or where the families were quarantined. He got infected with Corona with his entire family down with the deadly virus, including his wife and two sons while doing the humanitarian service, hence putting his life in danger for the sake of humanity and Nation.

3. Shri Shunty had founded Shaheed Bhagat Singh Sewa Dal, taking the inspiration from a soul stirring incident in 1996 at a Delhi Cremation ground, where he saw an underprivileged man stealing woods from burnt pyre for his son's cremation. From thereon, he took care of cremating the unclaimed corpses with all due dignity. Furthermore, he added the Hearse Van and Ambulance Services in Delhi to ferry Dead Bodies and Patients, respectively. All these services were Free of cost and done with utmost respect. So far, he has cremated 16,562 dead bodies, has transported more than 39,450+ patients and saved numerous lives. He has also, in his fleet of hearse-vans, carried Corpses to cremation or burial grounds, where more than 54,780 dead bodies have been carried in these Hearse vans. The mortal remains of Former Foreign Minister Late Smt. Sushma Swaraj and Former Prime Minister of India, Sh. Inder Kumar Gujral, Former Cabinet Minister of India Sh. Arun Jaitley, were also carried for their final rites in the Hearse-Van of Shaheed Bhagat Singh Sewa Dal by him.

4. Shri Shunty added the refrigerated mobile mortuary box service, where the dead-body needs to be preserved for a short period of time before its cremation/burial. He has provided this service for over 11,580+ corpses. Former Prime Ministers of India, Late Sh. Atal Bihari Vajpayee and Late Sh. Inder Kumar Gujral, Former Cabinet Ministers of India, Late Sh. Arun Jaitley and Late Smt. Sushma Swaraj's Mortal Remains were also kept respectfully for their last rites, in the Mortuary Boxes of Shaheed Bhagat Singh Sewa Dal.

5. Shri Shunty has significant contribution in the field of voluntary Blood Donation. He himself has donated blood 102 times and has organized 167 Blood Donation Camps collecting and providing 22,120 units of blood to the needy, free of cost. His name is registered in The World Book of Records, London, as the First Sikh in the World to achieve this feat. He is also known as 'Donor Singh' for the same achievement. He has also been honored as a 'Centurion Donor' by National Blood Transfusion Council, Government of India and Delhi State Blood Transfusion Council, Government of Delhi. He is also a Red and White Bravery Award Winner in the field of Social Work. A Documentary film titled 'Angels for the Dead,' was made on him by a team of Producers from United States of America, which had won Gold Medal at Zoe Film Festival, Florida, USA. He has various accolades for his distinguished services from various District Magistrates in Delhi as he has been working in tandem with the authorities to help people at large. He has been working extensively in the field of Disaster Management as well.



श्री जितेंद्र सिंह शंटी

श्री जितेंद्र सिंह शंटी गैर-सरकारी संगठन 'शहीद भगत सिंह सेवा दल' के संस्थापक हैं। वह दो दशक से अधिक समय से असाधारण परोपकारी कार्य कर रहे हैं और दिल्ली के एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह कोरोना महामारी के कठिन समय के दौरान कार्य करने के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान, कोरोना से मृत लोगों के शव ले जाने के लिए शववाहन चलाने, कोविड-19 से प्रभावित संदिग्ध व्यक्तियों और रोगियों को लाने ले जाने के लिए मुफ्त एम्बुलेंस सेवाएं तथा कोविड-19 से मरे रोगियों के लिए मुफ्त अंत्येष्टि सेवाएं प्रदान करने के कार्य किए।

2. 1 अगस्त, 1962 को जन्मे, श्री शंटी को मैट्रिक पास करने के बाद, अपने पिता के निधन की वजह से बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बावजूद, वह परोपकार के अपने रास्ते पर अडिग रहे। उन्होंने 966 से ज्यादा कोविड संक्रमित शवों के लिए परिवहन और अंत्येष्टि सेवाएं प्रदान की हैं और 1244 से ज्यादा कोविड संक्रमित रोगियों को परिवहन सेवाएं प्रदान की हैं तथा 384 से ज्यादा उन कोरोना संक्रमित शवों का दाह संस्कार किया है जो लावारिस थे या जिनके परिवारों को क्वरेंटाइन किया गया था। उन्होंने मानवता और राष्ट्र की खातिर अपनी जान खतरे में डाल दी थी। उनका पूरा परिवार यानी उनकी पत्नी और दो बेटे कोरोना के घातक वायरस से संक्रमित हो गए थे।

3. श्री शंटी ने दिल्ली के एक श्मशान घाट में 1996 में एक गरीब व्यक्ति को अपने बेटे के दाह संस्कार के लिए जलती चिता से लकड़ी चुराते हुए देखा था, इस हृदय विदारक घटना से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने शहीद भगत सिंह सेवा दल की स्थापना की। इसके बाद से, वह पूरे सम्मान के साथ लावारिस शवों की अंत्येष्टि कार्य करवाने लगे। इसके अलावा, उन्होंने दिल्ली में शवों और रोगियों को लाने ले जाने के लिए क्रमशः शववाहन और एम्बुलेंस सेवाओं की शुरुआत की। ये सभी सेवाएं निःशुल्क थीं और अत्यंत सम्मान के साथ की जाती थीं। अब तक, उन्होंने 16,562 शवों का अंतिम संस्कार किया है, 39,450 से अधिक रोगियों के लिए परिवहन सेवाएं प्रदान की हैं और अनेक लोगों की जान बचाई है। उन्होंने शववाहन के अपने बेड़े के जरिए 54,780 शवों को श्मशान या कब्रिस्तान तक पहुंचाया है। उनके शहीद भगत सिंह सेवा दल के शववाहनों द्वारा पूर्व विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री इंद्र कुमार गुजराल, भारत के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री अरुण जेटली का पार्थिव शरीर भी अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया था।

4. श्री शंटी ने रेफ्रिजरेटेड मोबाइल मोर्चरी बॉक्स सेवा भी शुरू की, जिसमें मृत शरीर को दाह संस्कार/दफन करने से पहले थोड़े समय के लिए संरक्षित किए जाने की आवश्यकता होती है। उन्होंने 11,580 से अधिक शवों के लिए यह सेवा प्रदान की है। शहीद भगत सिंह सेवा दल के शव-बक्सों में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी और स्वर्गीय श्री इंद्र कुमार गुजराल, भारत के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय श्री अरुण जेटली और स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज के पार्थिव शरीर को भी अंतिम संस्कार के लिए सम्मानपूर्वक रखा गया था।

5. श्री शंटी का स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वह स्वयं 102 बार रक्तदान कर चुके हैं और 167 रक्तदान शिविरों का आयोजन कर जरूरतमंदों को 22,120 यूनिट रक्त निःशुल्क उपलब्ध करा चुके हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दुनिया के पहले सिख के रूप में उनका नाम लंदन के वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 'डोनर सिंह' के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन कौंसिल, भारत सरकार और दिल्ली स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन कौंसिल, दिल्ली सरकार द्वारा 'सैचुरियन डोनर' के रूप में सम्मानित किया गया है। वह सामाजिक कार्य के क्षेत्र में रेड एंड व्हाइट वीरता पुरस्कार विजेता भी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्माताओं की एक टीम द्वारा उन पर 'एंजेल्स फॉर द डेड' नामक एक वृत्तचित्र बनाया गया, जिसने अमेरिका के फ्लोरिडा के जोय फिल्म समारोह में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने अपनी विशिष्ट सेवाओं के लिए दिल्ली के अनेक जिलाधिकारियों से अनेक बार सराहना प्राप्त की है क्योंकि वह लोगों की मदद के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काफी काम कर रहे हैं। वह आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भी पर व्यापक स्तर पर कार्य कर रहे हैं।